RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
जून
03
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

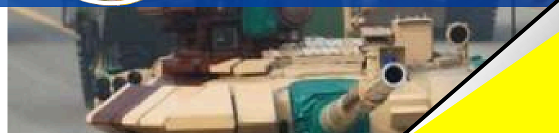

By Ankit Avasthi Sir

भारतीय और यूरोपीय संघ नौसेना अभ्यास / Indian and EUNAVFOR Naval Exercise

संदर्भ:

भारतीय नौसेना और यूरोपीय संघ नौसेना बल (EUNAVFOR) जल्द ही हिंद महासागर क्षेत्र में एक संयुक्त नौसैनिक अभ्यास करने जा रहे हैं। यह पहली बार है जब भारत में EUNAVFOR के युद्धपोत किसी परिचालन अभ्यास में भाग लेंगे।

उद्देश्य: इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य दोनों नौसेनाओं के बीच **आपसी तालमेल** को बढ़ाना और **समुद्री डकैती**, **तस्करी** जैसी **गैर-पारंपरिक समुद्री चुनौतियों** का मुकाबला करना है।

EUNAVFOR (ऑपरेशन अटलांटा) – भारत यात्रा 2025:

1. **परिचय:**
   - EUNAVFOR (European Union Naval Force) यूरोपीय संघ का नौसैनिक बल है।
   - यह ऑपरेशन अटलांटा के अंतर्गत 2008 में Common Security and Defence Policy (CSDP) मिशन के रूप में शुरू हुआ।
   - उद्देश्य: सोमालिया और पश्चिमी हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री डकैती और सशस्त्र लूटपाट को रोकना, रोकथाम करना और दबाना।
2. **प्रमुख कार्य:**
   - World Food Programme (WFP) और अन्य संवेदनशील जहाजों की सुरक्षा।
   - समुद्री व्यापार मार्गों की निगरानी और रक्षा।
3. **2025 में भारत यात्रा पर भाग लेने वाले पोत:**
   - **ESPS Reina Sofía** – स्पेनिश नौसेना का पोत।
   - **ITS Antonio Marceglia** – इतालवी नौसेना का पोत।
4. **अभ्यास का महत्व:**
   - भारत में EU फ्रेमवर्क के तहत EUNAVFOR की यह पहली यात्रा।
   - समुद्री सुरक्षा और anti-piracy अभियानों में interoperability को बढ़ावा।
   - हिंद महासागर क्षेत्र (IOR) में non-traditional security threats से निपटने के लिए संयुक्त प्रतिक्रिया क्षमताओं को सुदृढ़ करना।

भारत-EU संबंध:

1. **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि**
   - भारत और *European Economic Community (EEC)* के बीच कूटनीतिक संबंध 1962 में स्थापित हुए।
   - 2004 में *India-EU Strategic Partnership* की घोषणा के साथ संबंधों को रणनीतिक स्तर पर उन्नत किया गया।
   - महत्वपूर्ण दस्तावेज़:
     - India-EU Joint Political Statement – 1993
     - India-EU Cooperation Agreement – 1994
2. **व्यापार:** EU भारत का सबसे बड़ा वस्तु व्यापारिक साझेदार है।
   - *FY 2023-24* में द्विपक्षीय व्यापार: **$135 बिलियन**

भारत–यूरोपीय संघ सहयोग के प्रमुख क्षेत्र:

1. व्यापार और निवेश (Trade & Investments):
- मुक्त व्यापार समझौता (FTA) और भौगोलिक संकेतक (GI) पर वार्ता जारी।
- भारत को EU के Carbon Border Adjustment Mechanism से निर्यात पर प्रभाव की चिंता।

2. प्रौद्योगिकी और नवाचार:
- 2007 का विज्ञान और तकनीक सहयोग समझौता द्विपक्षीय अनुसंधान को दिशा देता है।
- भारत-EU सेमीकंडक्टर MoU (2023) से चिप निर्माण और AI में सहयोग बढ़ा।

3. हरित ऊर्जा और जलवायु कार्यवाही:
- EU ने भारत के **ग्रीन हाइड्रोजन प्रोजेक्ट्स** के लिए €1 अरब देने की प्रतिबद्धता की।
- नवीकरणीय ऊर्जा, सर्कुलर इकॉनॉमी, और सतत शहरीकरण में सहयोग।

4. रक्षा और सुरक्षा:
- **सुरक्षा और रक्षा पर परामर्श (2022)** – समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद और साइबर खतरों पर केंद्रित।
- **पहला संयुक्त नौसैनिक अभ्यास (2023)** – गिनी की खाड़ी में।

5. अंतरिक्ष सहयोग:
- ISRO और ESA मिलकर गगनयान, चंद्रयान-3 और आदित्य-L1 पर काम कर रहे हैं।
- PROBA-3 मिशन (2024) को ISRO के PSLV से लॉन्च किया गया।

चुनौतियाँ और मतभेद:
- **CBAM और व्यापार अवरोध:** भारत को इस टैक्स से इस्पात व एल्युमिनियम निर्यात पर असर का डर।
- **डिजिटल व्यापार और डेटा सुरक्षा** में नियामकीय मतभेद।
- **FTA की धीमी प्रगति** – 2007 से वार्ता जारी, लेकिन टैरिफ और बाजार पहुंच पर अड़चनें।
- **यूक्रेन युद्ध पर भिन्न रुख** – भारत तटस्थ, EU रूस का विरोधी।

प्रौद्योगिकी उद्योग और जलवायु लक्ष्य / Technology Industry and Climate Goals

संदर्भ:

Microsoft और WSP Global द्वारा किए गए एक ऐतिहासिक अध्ययन में यह सिद्ध हुआ है कि **उन्नत कूलिंग तकनीकों (advanced cooling technologies)** के उपयोग से डाटा सेंटर्स में उत्सर्जन (emissions), ऊर्जा खपत (energy use) और जल उपयोग (water use) को प्रभावी रूप से कम किया जा सकता है।

- यह शोध पर्यावरणीय स्थिरता की दिशा में डाटा सेंटर्स के संचालन को अधिक दक्ष और टिकाऊ बनाने की संभावनाओं को उजागर करता है।

प्रौद्योगिकी उद्योग और जलवायु लक्ष्य: संतुलन की दिशा में एक पहल-

यह क्या है?

- प्रौद्योगिकी उद्योग, विशेषकर डेटा सेंटर्स और सप्लाई चेन के कारण, वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का बड़ा स्रोत है।
- अब यह उद्योग **जलवायु-संवेदनशील उपायों** को अपनाकर अपने कार्बन फुटप्रिंट को कम करने की दिशा में सक्रिय हो गया है।

जलवायु लक्ष्य:

- **2030 तक**: 2015 के स्तर से 42% तक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कटौती।
- **2050 तक**: नेट-ज़ीरो उत्सर्जन प्राप्त करना।
- सभी परिचालनों में 100% नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग (जैसे – गूगल का 2030 तक का लक्ष्य)।

टेक उद्योग द्वारा अपनाए गए उपाय:

1. **उन्नत कूलिंग तकनीकें**
   - Microsoft की cold plate और immersion cooling से
     - उत्सर्जन में **15–21% की कमी**
     - जल उपयोग में **52% तक की कमी**
2. **कार्बन क्रेडिट का उपयोग**
   - Google, Netflix जैसे कंपनियां प्रमाणित क्रेडिट्स से उत्सर्जन की भरपाई करती हैं और संरक्षण परियोजनाओं में निवेश करती हैं।
3. **ब्लॉकचेन आधारित कार्बन बाज़ार**
   - Gold Standard द्वारा समर्थित पारदर्शिता लाने के लिए ब्लॉकचेन का उपयोग।
   - भारतीय कंपनियां ESG अनुपालन में इस तकनीक को अपना रही हैं।
4. **नवीकरणीय ऊर्जा का एकीकरण:** Amazon, Apple, Meta जैसी कंपनियों ने हरित परिसर और *100% renewable energy* पर काम शुरु किया है।
5. **भारतीय नेतृत्व:** Infosys, Reliance, Tech Mahindra जैसी कंपनियां AI, ब्लॉकचेन और ऊर्जा-कुशल प्रक्रियाओं से स्थायी तकनीक को बढ़ावा दे रही हैं।

मुख्य चुनौतियाँ:

- **लाइफसाइकिल समझौते:** कूलिंग तकनीक उत्सर्जन तो घटाती है, पर कूलेंट निर्माण का पर्यावरणीय भार बढ़ा सकती है।
- **उच्च पूंजी लागत:** डेटा सेंटर्स का ग्रीन रेट्रोफिटिंग महंगा और समय-साध्य।
- **नियामक रुकावटें:** कूलेंट द्रवों और कार्बन क्रेडिट के लिए वैश्विक मानकों की कमी।
- **कोयला-आधारित ग्रिड निर्भरता:** बिजली का स्रोत यदि स्वच्छ नहीं, तो टेक सुधारों का प्रभाव सीमित।
- **प्रवर्तन में देरी:** जटिल डिज़ाइन और सप्लाई चेन के कारण नई तकनीकों को लागू करने में समय लग रहा है।

आगे की राह:

- **Life Cycle Assessment (LCA) को प्रोत्साहन:** पर्यावरणीय प्रभाव का पूर्ण मूल्यांकन हर तकनीकी समाधान में किया जाए।
- **वैश्विक रूपरेखा का समन्वय:** कार्बन क्रेडिट प्रमाणन और जलवायु खुलासों के लिए वैश्विक मानक विकसित हों।
- **सरकारी प्रोत्साहन:** ग्रीन टेक अपनाने वालों को टैक्स क्रेडिट, सब्सिडी, और हरित वित्त की सुविधा।
- **कूलिंग तकनीक में R&D को बढ़ावा:** कम-प्रभाव वाले द्रव, मापनीय डिज़ाइन, और AI-आधारित नियंत्रण प्रणालियों पर शोध।
- **सार्वजनिक-निजी साझेदारी:** सरकार, स्टार्टअप्स और बड़ी कंपनियों के बीच नवाचार के लिए सहयोग तंत्र विकसित हों।

नासा ने "ASKAP J1832-0911" की खोज / NASA discovered "ASKAP J1832-0911"

संदर्भ:

वैज्ञानिकों ने एक अनोखे तारे **ASKAP J1832-0911** की खोज की है, जो एक साथ **रेडियो तरंगें (radio waves)** और **एक्स-रे (X-rays)** उत्सर्जित करता है—जो अब तक किसी भी ज्ञात तारे में नहीं देखा गया था।

- यह खोज ब्रह्मांड में पाए जाने वाले एक रहस्यमय वर्ग, जिसे **लॉन्ग-पीरियड रेडियो ट्रांज़िएंट्स (long-period radio transients)** कहा जाता है, उसमें एक नया सदस्य जोड़ती है। इस वर्ग की पहचान सबसे पहले वर्ष 2020 में हुई थी और यह अब भी खगोल विज्ञान के लिए एक गूढ़ पहेली बना हुआ है।

ASKAP J1832-0911 की विशेषताएं:

क्या है ASKAP J1832-0911?

- **स्थित:** *Scutum नक्षत्र* में, पृथ्वी से लगभग **15,000 प्रकाश वर्ष** दूर।
- **विशिष्टता:** हर **44 मिनट में रेडियो और एक्स-रे तरंगों का उत्सर्जन**, जो अत्यंत दुर्लभ है।
- **वर्गीकरण:** यह *long-period radio transients* नामक हाल ही में खोजी गई वस्तुओं की श्रेणी से संबंधित है।
- **विशेषता:**
  - इस वर्ग की अधिकांश वस्तुएं केवल **रेडियो तरंगें** उत्सर्जित करती हैं।
  - **ASKAP J1832-0911 पहली वस्तु है जो रेडियो के साथ-साथ **X-ray** भी उत्सर्जित करती है।
- **खोज प्रकाशित:** *28 मई 2025* को *Nature* पत्रिका में।

वैज्ञानिक अवलोकन व परिकल्पनाएं-

- **अध्ययन उपकरण:**
  - ASKAP (Australian Square Kilometre Array Pathfinder) रेडियो टेलीस्कोप
  - NASA का Chandra X-ray Observatory
- **संभावित स्पष्टीकरण:**
  - यह एक मैग्नेटार हो सकता है - अत्यधिक चुंबकीय क्षेत्र वाला न्यूट्रॉन तारा।
  - या फिर एक सघन बाइनरी सिस्टम में मौजूद श्वेत बौना तारा।
- लेकिन वर्तमान में कोई भी सिद्धांत इस वस्तु की सभी विशेषताओं की **पूर्ण व्याख्या नहीं कर पाता**, जिससे संकेत मिलता है कि कुछ अज्ञात खगोलीय प्रक्रिया सक्रिय हो सकती है।
- **विशेष घटनाक्रम:** नवंबर 2023 से फरवरी 2024 के बीच रेडियो चमक अचानक बढ़ी, और उसी समय X-ray उत्सर्जन भी दर्ज किया गया।

महत्ता:

- अब तक केवल **10 ज्ञात long-period radio transients** खोजे गए हैं – और ये सभी अभी भी **अधूरी तरह से समझे गए** हैं।
- **ASKAP J1832-0911** उनमें सबसे अलग है क्योंकि:
  - इसमें **X-ray उत्सर्जन** भी होता है (अन्य में नहीं)।
  - हालिया **तेज रेडियो चमक** इसे और विशिष्ट बनाती है।
- शोधकर्ताओं का अनुमान: इसकी रेडियो तरंगें संभवत: *श्वेत बौने तारे और उसके साथी तारे के बीच की परस्पर क्रिया* से उत्पन्न हो सकती हैं।

भविष्य की दिशा:

- यह खोज संकेत देती है कि ब्रह्मांड में **नई खगोलीय प्रक्रियाएं सक्रिय** हो सकती हैं, जो अब तक ज्ञात सिद्धांतों से परे हैं।
- आवश्यक है:
  - इस दुर्लभ खगोलीय पिंड का **लंबे समय तक अध्ययन**।
  - **अंतरराष्ट्रीय सहयोग** के साथ बेहतर तकनीकों का उपयोग, ताकि इसके रहस्यों से पर्दा उठाया जा सके।
- यह वस्तु **तारकीय विकास** और **तीव्र चुंबकीय क्षेत्रों** की समझ को एक **नया आयाम** दे सकती है।

निष्कर्ष: ASKAP J1832-0911 न केवल खगोलशास्त्र के लिए एक रहस्यमयी पहेली है, बल्कि यह भविष्य की खोजों की दिशा में नई संभावनाओं का द्वार भी खोलता है।

भारत-जर्मनी सामरिक साझेदारी के 25 वर्ष / 25 Years of India-Germany Strategic Partnership

संदर्भ:

भारत और जर्मनी **रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्ष** पूरे किए। यह साझेदारी **शांति (peace)**, **समृद्धि (prosperity)**, **जन-जन के संबंधों (people-to-people ties)** और **सतत विकास** जैसे मूल सिद्धांतों पर आधारित है।

भारत-जर्मनी सामरिक साझेदारी:

शांति और स्थिरता की साझा दृष्टि-

- **नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था** के लिए दोनों देशों की प्रतिबद्धता।
- Intergovernmental Consultations (IGC) के माध्यम से राजनीतिक संवाद की संस्थागत व्यवस्था।
- इस संवाद से गहरी राजनीतिक विश्वास और नीति समन्वय को बढ़ावा मिलता है।
- **रक्षा क्षेत्र में सहयोग** निरंतर मजबूत हो रहा है:
  - उदाहरण: तरंग शक्ति 2024 जैसे संयुक्त सैन्य अभ्यास।
  - **नौसैनिक बंदरगाह यात्राएं** भारत-जर्मनी के रणनीतिक जुड़ाव को और गहरा करती हैं।
- **इंडो-पैसिफिक क्षेत्र** को जर्मनी की भू-रणनीतिक सोच में महत्वपूर्ण रूप से जोड़ा जा रहा है।
- भविष्य में रक्षा **उद्योगों में मिलकर कार्य करने की संभावनाएं**, जो द्विपक्षीय भरोसे को दर्शाती हैं।

आर्थिक समृद्धि से आगे की सोच-

- **आर्थिक सहयोग** इस साझेदारी का मजबूत स्तंभ है, पर यह केवल आर्थिक विकास तक सीमित नहीं है।
- **समृद्धि का अर्थ:**
  - सार्थक रोजगार सृजन
  - जीवन की गुणवत्ता में सुधार
  - मानव क्षमता का सशक्तिकरण
- **लगभग 2,000 जर्मन कंपनियां भारत में सक्रिय**, जो 7.5 लाख से अधिक भारतीयों को रोजगार देती हैं।
- उदाहरण: *दिल्ली-मेरठ रैपिड रेल परियोजना*, जिसे *Deutsche Bahn* संचालित कर रही है – **उच्च तकनीक सहयोग का प्रतीक**।
- **वैश्विक व्यापार में अस्थिरता** के बीच भारत-जर्मनी सप्लाई चेन की मजबूती **आपसी भरोसे का संकेत** है।

- **संभावनाएं:**
  - भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता (India-EU FTA) साझेदारी को नई ऊंचाई पर ले जा सकता है।
  - **संयुक्त अनुसंधान** और **तकनीकी सहयोग**, विशेष रूप से पर्यावरणीय चुनौतियों और उद्यमशील नवाचारों में समाधान खोजने की दिशा में सहायक।

भारत-जर्मनी जन-जन संबंध-

- जर्मनी में 50,000+ भारतीय छात्र, सबसे बड़ा विदेशी छात्र समूह।
- ये छात्र व पेशेवर दोनों देशों के बीच **संस्कृति, शिक्षा और सफलता** का सेतु हैं।
- ये संबंध **जमीनी स्तर पर आपसी समझ और सहयोग** को मजबूत करते हैं।
- **भाषाई समझ बढ़ाना जरूरी** – भारतीय जर्मन सीख रहे हैं, जर्मनों को भी भारतीय भाषाओं व संस्कृति से जुड़ना चाहिए।

आगे की राह:

- पर्यावरणीय स्थिरता भारत-जर्मनी साझेदारी का प्रमुख क्षेत्र है।
- 2022 में जर्मनी ने **€10 अरब का योगदान** GSDP के तहत देने की घोषणा की।
- सहयोग क्षेत्रों में **नवीकरणीय ऊर्जा, जैव विविधता और स्मार्ट शहर** शामिल हैं।
- **जर्मन तकनीक** गुजरात की हरित परियोजनाओं में सक्रिय भूमिका निभा रही है।
- यह सहयोग **सांझा वैश्विक जिम्मेदारी** का प्रतीक है।

वर्चुअल डिजिटल एसेट्स / Virtual Digital Assets

संदर्भ:

भारत ने लगातार दूसरे वर्ष **ग्रासरूट स्तर पर क्रिप्टो अपनाने** में वैश्विक नेतृत्व कायम रखा है। खुदरा निवेशकों द्वारा अब तक **$6.6 अरब (लगभग ₹55,000 करोड़)** का निवेश किया गया है और **2030 तक 8 लाख नौकरियों** के सृजन की संभावना जताई जा रही है।

क्या हैं वर्चुअल डिजिटल एसेट्स (VDAs)?

- **इलेक्ट्रॉनिक रूप से संग्रहित, स्थानांतरित या व्यापार योग्य डिजिटल मूल्य के प्रतिनिधित्व।**
- डिजिटल रूप से मौजूद होते हैं और अक्सर **ब्लॉकचेन तकनीक** पर आधारित होते हैं।

VDAs के प्रमुख प्रकार:

1. **क्रिप्टोकरेंसी (Cryptocurrencies):**
   - क्रिप्टोग्राफी से सुरक्षित डिजिटल मुद्रा।
   - उदाहरण: **Bitcoin, Ethereum, Solana**
   - नकली बनाने की संभावना बेहद कम।
2. **एनएफटी (Non-Fungible Tokens):**
   - विशिष्ट (Unique) डिजिटल संपत्ति जो **ब्लॉकचेन** पर दर्ज होती है।
   - आमतौर पर **कला, म्यूज़िक, गेम आइटम या डिजिटल प्रमाणपत्र** के रूप में।
   - एक NFT दूसरे से **विनिमेय नहीं** होता।

VDAs का उपयोग

- **भुगतान माध्यम** के रूप में
- **निवेश** के साधन के रूप में
- **वास्तविक संपत्तियों के डिजिटल प्रतिनिधित्व** के रूप में – जैसे:
  - कलाकृति
  - अचल संपत्ति (Real Estate)
  - पहचान प्रमाण (Personal IDs)
  - संपत्ति अधिकार (Property Rights)

वर्चुअल डिजिटल एसेट्स (VDAs) के लिए भारत का कानूनी ढांचा:

2025 का इनकम टैक्स बिल: प्रमुख प्रावधान:

- भारत के **Income Tax Bill, 2025** ने पहली बार **क्रिप्टोकरेंसी और NFTs** को **संपत्ति** और **पूंजीगत संपत्ति (Capital Assets)** के रूप में **कानूनी मान्यता** दी है।
- यह ढांचा अब **U.K., U.S., और ऑस्ट्रेलिया** जैसे देशों की कर व्यवस्था के अनुरूप है।

कराधान व्यवस्था (Taxation Structure):

- **VDAs की बिक्री/हस्तांतरण से प्राप्त लाभ** अब **Capital Gains** की श्रेणी में आएंगे।
- जैसे रियल एस्टेट या शेयरों की बिक्री से कर लगता है, वैसे ही अब VDAs पर भी लागू होगा।
- इससे VDA लेन-देन को **पारदर्शी कराधान** के दायरे में लाया गया है।

मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम के तहत निगरानी:

- मार्च 2023 से, सरकार ने **Prevention of Money Laundering Act, 2002 (PMLA)** के अंतर्गत भी VDAs को शामिल कर लिया।
- इसका उद्देश्य VDAs को **अविनियमित वित्तीय साधन** के रूप में उपयोग किए जाने से रोकना है।

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य अवलोकन:

- **भारत में क्रिप्टोकरेंसी के लिए व्यापक विनियमन की कमी** को सुप्रीम कोर्ट ने गंभीरता से रेखांकित किया।
- अदालत ने कहा कि **क्रिप्टो पर पूर्ण प्रतिबंध** लगाना **वास्तविकता से मुंह मोड़ने** जैसा है।
- यह स्पष्ट किया गया कि **नीतियों और ज़मीनी बाजार की गतिशीलता** के बीच **गहरा disconnect** है।

भारत में क्रिप्टो से जुड़े प्रमुख चुनौतियाँ

1. **पूंजी नियंत्रण बनाम विकेंद्रीकृत ढांचा:** भारत की **कठोर पूंजी नियंत्रण प्रणाली** और **कड़ाई से विनियमित भुगतान व्यवस्था** वर्चुअल डिजिटल एसेट्स (VDAs) की **विकेंद्रीकृत प्रकृति** से मेल नहीं खाती।
2. **RBI की आरंभिक आपत्तियाँ:** रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) ने 2018 में **वित्तीय संस्थानों को क्रिप्टो लेन-देन से प्रतिबंधित** किया था, जिसे 2020 में अदालत ने निरस्त कर दिया।
3. **कर व्यवस्था की जटिलता:** 2022 में सरकार ने क्रिप्टो पर कर लगाने की शुरुआत की, जिसमें
   - ₹10,000 से अधिक के VDA लेन-देन पर **1% TDS**,
   - और **30% पूंजीगत लाभ कर** शामिल है, जिसमें **हानियों की भरपाई की अनुमति नहीं** है।
4. **ऑफशोर ट्रेडिंग में वृद्धि:** इन नीतियों के चलते अधिकांश ट्रेडिंग **विदेशी प्लेटफॉर्म्स पर स्थानांतरित** हो गई, जिससे भारत को **₹2,488 करोड़ से अधिक का कर नुकसान** हुआ।

ड्रोन युद्ध / Drone warfare

संदर्भ:

यूक्रेन की सुरक्षा सेवा (SBU) ने **'ऑपरेशन स्पाइडर वेब'** नामक एक संगठित **ड्रोन हमले** को अंजाम दिया। यह हमला रूस के भीतर पांच प्रमुख वायुसेना ठिकानों – बेलाया, ड्यागिलेवो, इवानोवो सैवर्नी, ओलेन्या और यूक्रेनका – पर किया गया।

- **ड्रोन हमलों** को रूसी क्षेत्र में **छिपे ट्रकों** से लॉन्च किया गया था, जिनका निशाना **रूसी वायुसेना की दीर्घ दूरी तक हमले करने वाली विमानन संपत्तियाँ (Long-Range Aviation assets)** थीं।

क्या हैं FPV ड्रोन?

- **FPV (First-Person View) ड्रोन** ऐसे छोटे आकार के ड्रोन होते हैं जिनमें सामने कैमरा लगा होता है।
- यह कैमरा **लाइव वीडियो फीड ऑपरेटर तक** भेजता है, जिससे ऑपरेटर को ड्रोन के दृष्टिकोण से दृश्य दिखता है।
- इससे ड्रोन को बेहद **सटीकता और नियंत्रण के साथ उड़ाया जा सकता है**, बिल्कुल जैसे कोई विमान।

तकनीकी विशेषताएं:

- कैमरा फीड को **रियल-टाइम** में ऑपरेटर तक पहुंचाया जाता है।
- ऑपरेटर आमतौर पर **वीआर हेडसेट या मॉनिटर** की सहायता से ड्रोन को नियंत्रित करता है।
- इन ड्रोन की उड़ान शैली अधिक **गतिशील और आक्रामक** होती है, इसलिए इनका प्रयोग अक्सर **सटीक हमलों या निगरानी** में किया जाता है।

ड्रोन युद्ध की असममितता कैसे उभरती है?

- ड्रोन तकनीक ने युद्ध को **कम लागत में अधिक प्रभाव** डालने वाला बना दिया है।
- छोटे समूह भी अब **कम तकनीकी और सस्ते ड्रोन** से भारी सैन्य प्रतिष्ठानों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।
- **FPV ड्रोन, कामिकाजे ड्रोन** और **स्वायत्त ड्रोनों** का उपयोग विद्रोही और आतंकवादी संगठनों द्वारा किया जा रहा है।

ड्रोन का आधुनिक युद्ध में उपयोग

- **21वीं सदी की शुरुआत में:**
  - अमेरिका ने सबसे पहले ड्रोन स्ट्राइक का व्यापक उपयोग किया, खासकर अफगानिस्तान, पाकिस्तान, सीरिया, सोमालिया, यमन और लीबिया जैसे देशों में।
  - इन हमलों में एयर-टू-सर्फेस मिसाइलों का इस्तेमाल जमीन पर मौजूद आतंकवादियों और विद्रोहियों को निशाना बनाने के लिए किया गया।

अन्य देशों द्वारा अपनाना:

- रूस, यूक्रेन, तुर्की, अजरबैजान और ईरान जैसे देश भी अपने सैन्य अभियानों में ड्रोन का उपयोग कर रहे हैं।
- ये देश ड्रोन का इस्तेमाल निगरानी, सटीक हमले और युद्ध क्षेत्र की खुफिया जानकारी के लिए करते हैं।

गैर-राज्यीय समूह:

- यमन के हूती विद्रोही जैसे गैर-राज्यीय समूह भी ड्रोन का इस्तेमाल असममित युद्ध (असिमेट्रिक वारफेयर) में कर रहे हैं।

भारत में ड्रोन का उपयोग:

- भारत ने भी ड्रोन का इस्तेमाल आतंकवाद रोधी और सैन्य अभियानों में किया है, जैसे कि ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान के खिलाफ प्रतिशोधी हमलों में।
- ड्रोन के उपयोग से भारत की सटीक निशाना साधने और वास्तविक समय में खुफिया जानकारी हासिल करने की क्षमता बढ़ी है।

युद्ध में ड्रोन के उपयोग का महत्व:

1. लक्षित और सटीक हमले
2. सैन्य कर्मियों के लिए जोखिम में कमी
3. कम लागत वाली युद्ध और निगरानी प्रणाली
4. वास्तविक समय खुफिया और निगरानी क्षमता
5. विषम और संकर युद्ध में रणनीतिक बढ़त

नक्शा (NAKSHA) प्रशिक्षण चरण 2

संदर्भ:

ग्रामीण विकास मंत्रालय के भूमि संसाधन विभाग (DoLR) ने **NAKSHA क्षमता निर्माण कार्यक्रम के दूसरे चरण** की शुरुआत सोमवार को देश के पाँच **Centre of Excellence** में की। इस पहल का उद्देश्य **उन्नत भू-स्थानिक तकनीकों (geospatial technologies)** के माध्यम से **शहरी भूमि सर्वेक्षण (urban land surveys)** की **तकनीकी दक्षता** को बढ़ाना है, ताकि उच्च सटीकता वाले सर्वेक्षण संभव हो सकें।

क्या है NAKSHA?

- **NAKSHA (National Geospatial Knowledge-Based Land Survey of Urban Habitations)** एक *तकनीक-आधारित पायलट कार्यक्रम* है।
- उद्देश्य: **शहरी भूमि रिकॉर्ड को अद्यतन, सत्यापन योग्य और पारदर्शी बनाना।**
- बढ़ती *शहरी आबादी* के मद्देनज़र *आधुनिक भू-स्थानिक डेटा* की ज़रूरत को पूरा करने के लिए यह योजना शुरू की गई है।

साझेदारी में क्रियान्वयन:

योजना को निम्नलिखित संस्थानों के सहयोग से लागू किया जा रहा है:

- **Survey of India**
- **NICSI (National Informatics Centre Services Inc.)**
- **MPSeDC (Madhya Pradesh State Electronics Development Corporation)**
- अन्य तकनीकी भागीदार

वर्तमान स्थिति:

- **157 शहरी स्थानीय निकाय (ULBs)** को कवर किया जा चुका है।
- योजना **27 राज्यों और 3 केंद्रशासित प्रदेशों** में सक्रिय है।

प्रमुख उद्देश्य और लाभ:

- सटीक डिजिटल भूमि मानचित्रण
- भूमि विवादों में कमी और संपत्ति अधिकारों की सुरक्षा
- शहरी नियोजन और बुनियादी ढांचा विकास को गति
- ई-गवर्नेंस को मजबूत करना और भूमि संबंधी सेवाओं को पारदर्शी बनाना

अंडमान और निकोबार कमान / ANC

संदर्भ:

लेफ्टिनेंट जनरल **दिनेश सिंह राणा** ने भारत की एकमात्र त्रि-सेवा कमांड, अंडमान और निकोबार कमांड (ANC) के **18वें कमांडर-इन-चीफ** के रूप में पदभार ग्रहण किया। ANC, श्री विजयपुरम (पूर्व में पोर्ट ब्लेयर) में स्थित है और भारतीय सेना, नौसेना, वायु सेना और तटरक्षक बल के तत्वों को एकीकृत करके हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के रणनीतिक हितों की रक्षा करता है।

क्या है ANC?

- **अंडमान और निकोबार कमान (Andaman and Nicobar Command - ANC)** भारत की *पहली और एकमात्र एकीकृत सैन्य कमान* है।
- इसमें **थल सेना, नौसेना, वायुसेना** और **कोस्ट गार्ड** को एकीकृत किया गया है।
- इसका नेतृत्व **CINCAN (Commander-in-Chief, Andaman and Nicobar)** करते हैं।

स्थापना: **1 अक्टूबर 2001** को इस कमान की स्थापना की गई थी।

भौगोलिक और रणनीतिक महत्त्व:

- ANC का क्षेत्र **बंगाल की खाड़ी में स्थित अंडमान और निकोबार द्वीप समूह** को कवर करता है।
- यह क्षेत्र **मलक्का जलडमरूमध्य के निकट** होने के कारण *इंडो-पैसिफिक* में रणनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।

प्रमुख भूमिकाएँ:

- द्वीपों की रक्षा और सुरक्षा सुनिश्चित करना
- इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में क्षेत्रीय सुरक्षा में योगदान
- भारत के साझेदार देशों के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यासों में भागीदारी
- तीनों सेनाओं के बीच तालमेल, समन्वय और परिचालन दक्षता को बढ़ाना

महत्त्व और मॉडल: ANC, *सैन्य एकीकरण और संयुक्तता* का एक *आदर्श मॉडल* माना जाता है।

- यह भारत की भविष्य की **थिएटर कमान संरचना** के लिए एक मजबूत नींव प्रदान करता है।

बिर्च ग्लेशियर / Birch Glacier

संदर्भ:
हाल ही में, स्विट्ज़रलैंड के एक अल्पाइन गांव में **Birch Glacier** का एक बड़ा हिस्सा टूटकर गिर गया, जिससे गांव में **भारी तबाही** मच गई। यह घटना जलवायु परिवर्तन और ग्लेशियर पिघलने के खतरों को एक बार फिर उजागर करती है।

बिर्च ग्लेशियर (Birch Glacier):

स्थान-

- बिर्च ग्लेशियर **स्विट्ज़रलैंड के लोचेंटल घाटी (Lötschental valley)** में स्थित है।
- यह घाटी **स्विट्ज़रलैंड के उत्तर** में स्थित है और **लॉन्ज़ा नदी (Lonza River)** के किनारे फैली है।

हाल की घटना:

- ग्लेशियर का **ध्वस्त होना** लॉन्ज़ा नदी के प्रवाह को **अस्थायी रूप से अवरुद्ध** कर गया।
- यह अवरोध **बर्फ और चट्टानों के ढहने** के कारण हुआ।

अन्य ग्लेशियरों से भिन्नता:

- बिर्च ग्लेशियर **एकमात्र स्विस ग्लेशियर था जो पीछे नहीं हट रहा था**, बल्कि आगे बढ़ रहा था।
- इसका कारण **अतिरिक्त हिमपात नहीं**, बल्कि **पहाड़ी से चट्टानों का गिरना (pre-loading with rockfalls)** था।
- अंतत: यह ग्लेशियर इन भारी चट्टानों के भार से **ढह गया**।

जलवायु परिवर्तन और चिंता:

- स्विट्ज़रलैंड के ग्लेशियोलॉजिस्ट्स ने हाल के वर्षों में **तेज़ी से पिघलते ग्लेशियरों** पर चिंता व्यक्त की है।
- **ग्लोबल वॉर्मिंग** के कारण स्विट्ज़रलैंड में **ग्लेशियर तेजी से घट रहे हैं**।

ग्लेशियरों की स्थिति (2023):

- 2023 में स्विट्ज़रलैंड ने **अपनी कुल ग्लेशियर मात्रा का 4% खो दिया**।
- यह गिरावट **2022 की 6% की गिरावट के बाद दूसरी सबसे बड़ी** थी।
- स्विट्ज़रलैंड में **यूरोप के किसी भी देश की तुलना में सबसे अधिक ग्लेशियर** हैं।

कृषि निवेश पोर्टल / Agricultural Investment Portal

संदर्भ:
कृषि क्षेत्र में **निवेश को प्रोत्साहित और तेज** करने के उद्देश्य से सरकार एक **कृषि निवेश पोर्टल** (Krishi Nivesh Portal) विकसित कर रही है। इस पोर्टल के माध्यम से **विभिन्न मंत्रालयों और राज्य सरकारों की योजनाओं को एकीकृत** किया जाएगा।

कृषि निवेश पोर्टल ?

- कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा शुरू की गई एक पहल।
- किसानों, उद्यमियों, निवेशकों और उद्योगों के लिए एकल डिजिटल प्लेटफॉर्म।
- विभिन्न केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराता है।

मुख्य उद्देश्य:

- कृषि क्षेत्र में **निवेश को आकर्षित करना**।
- किसानों की **आय में वृद्धि** करना।
- **एग्रीबिजनेस** को बढ़ावा देना।
- निवेश प्रक्रिया को **पारदर्शी, सरल और कुशल** बनाना।

प्रमुख विशेषताएं:

- **17 प्रमुख योजनाओं** की जानकारी एक ही पोर्टल पर।
- **7 मंत्रालयों की पहलें** एकीकृत रूप से उपलब्ध – जैसे कृषि, ग्रामीण विकास, खाद्य प्रसंस्करण, जल शक्ति, उर्वरक, आदि।
- इंटरएक्टिव डैशबोर्ड और डेटा आधारित निर्णय हेतु टूल्स।
- रियल टाइम चैटबॉट सहायता।
- आवेदन की स्थिति की निगरानी और निवेश के अवसरों की ट्रैकिंग संभव।

शामिल प्रमुख योजनाएं:

- कृषि अवसंरचना निधि (AIF)
- पशुपालन अवसंरचना विकास निधि (AHIDF)
- प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना (PMKSY)
- पीएम-कुसुम योजना (PM-KUSUM)

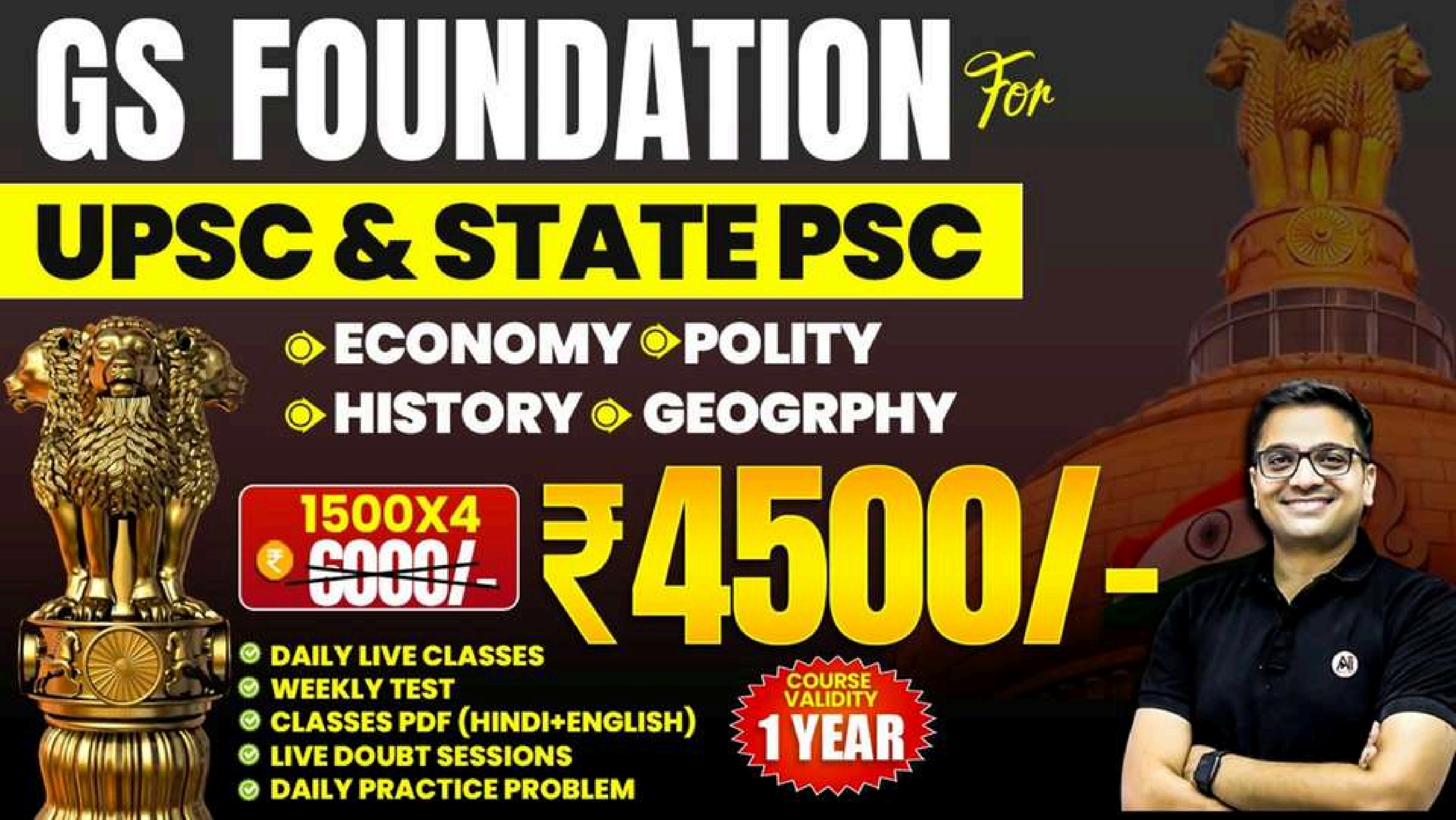
GS FOUNDATION
For
UPSC & STATE PSC
ECONOMY
POLITY
HISTORY
GEOGRPHY
1500X4
₹ 6000/-
₹4500/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

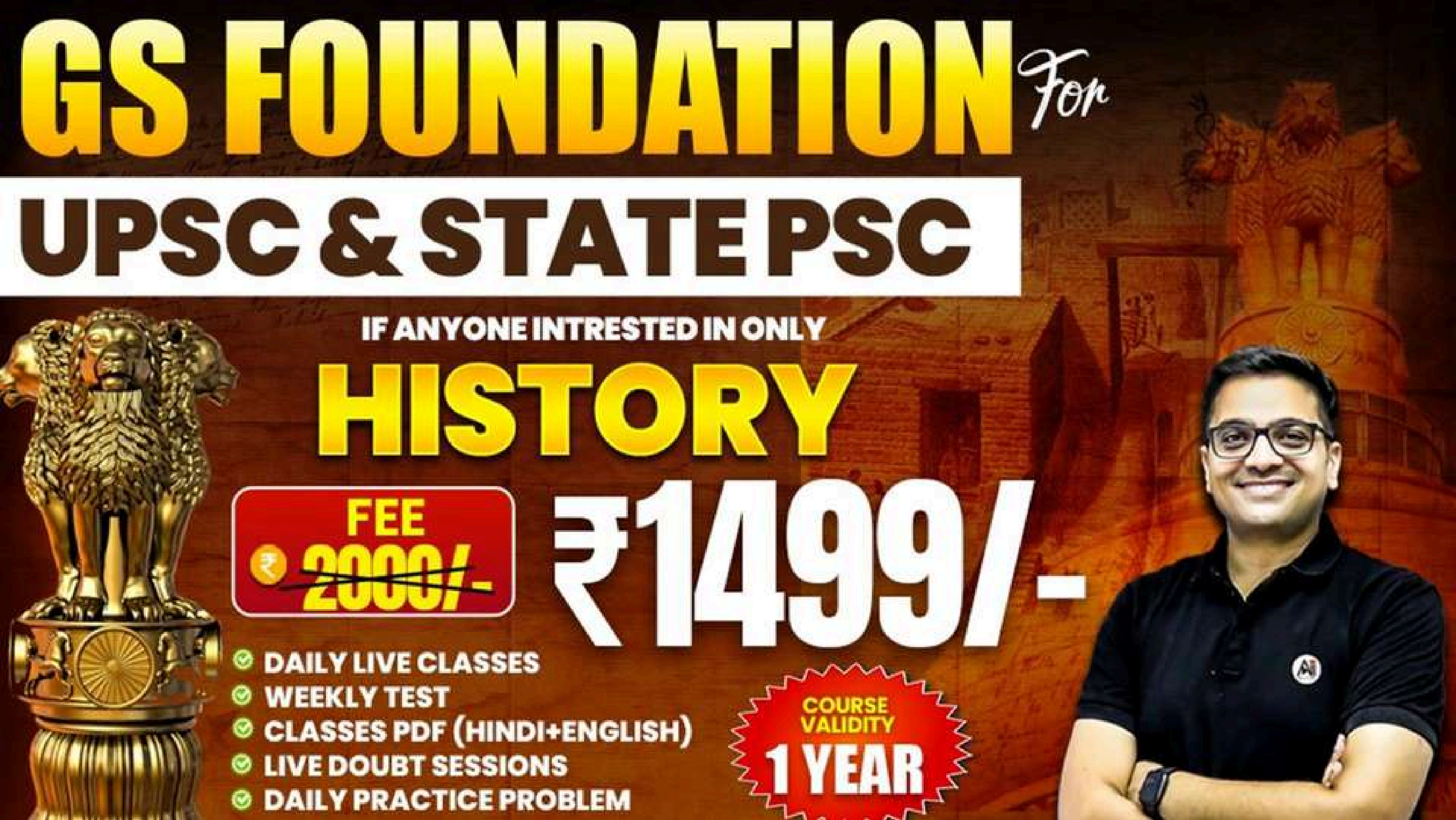
GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
IF ANYONE INTRESTED IN ONLY
HISTORY
FEE
₹ 2000/-
₹1499/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
IF ANYONE INTRESTED IN ONLY
ECONOMY
FEE
₹ 2000/-
₹1499/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

जानिए
भारतीय संविधान
CONSTITUTION OF INDIA
मात्र
1499/- Year
Enroll Now !
1 year validity

GS FOUNDATION
Hand Written Notes
Pathshala
BEST OFFER
1999Rs
4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट
अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
Bilingual
By Ankit Avasthi Sir
भारतीय भूगोल
भौतिक तथा विश्व भूगोल
भारत तथा विश्व की अर्थव्यवस्था
भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था
आधुनिक भारत एवं विश्व का इतिहास

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,

और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

MONTHLY MAGAZINE

FREE!

अधिक जानकारी के लिए दिए गए
नंबर पर संपर्क करें....
7878158882

Billingual

ANKIT AVASTHI SIR

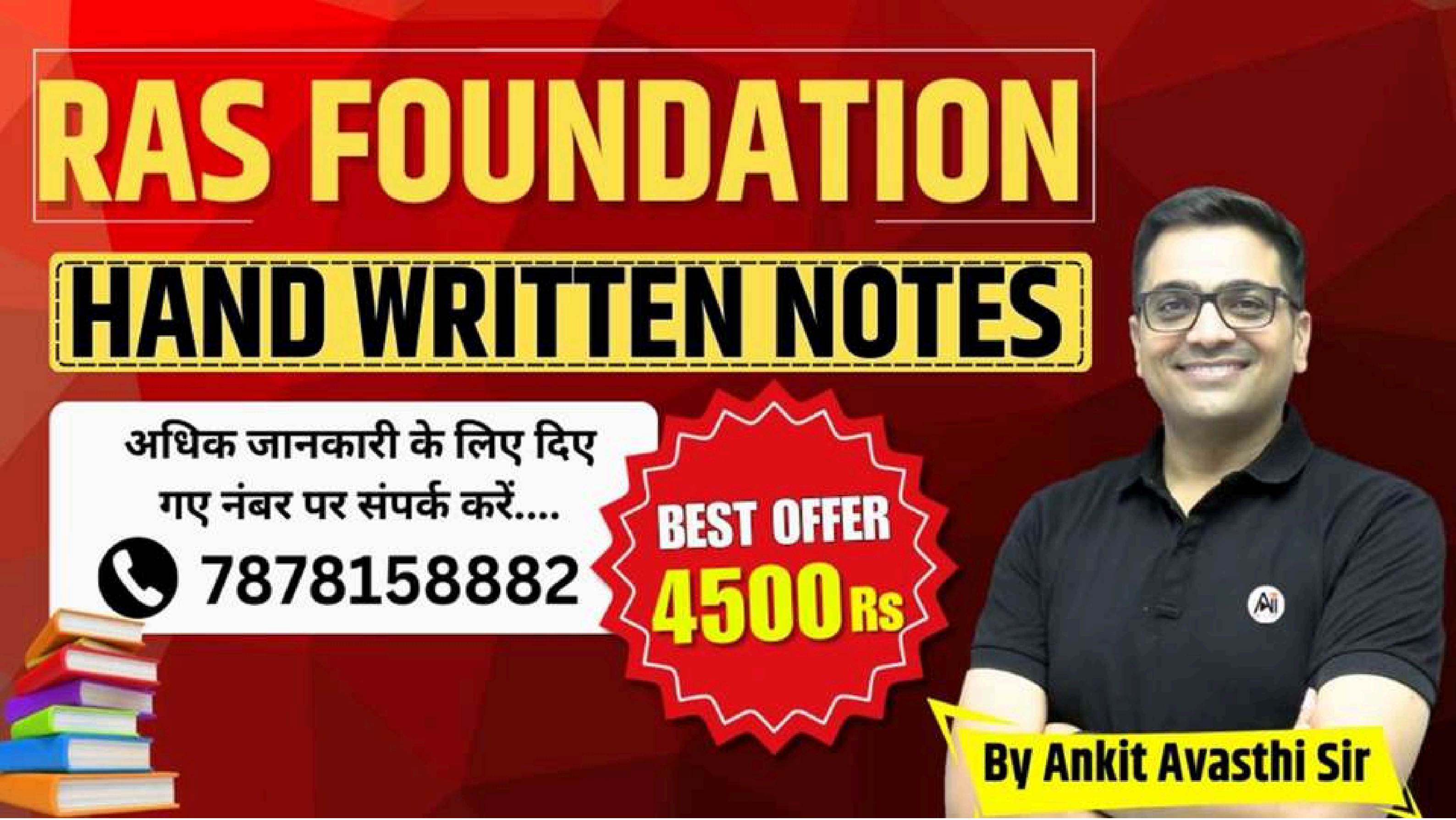
RAS FOUNDATION
HAND WRITTEN NOTES
अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
BEST OFFER
4500 Rs
By Ankit Avasthi Sir

RRB NTPC
TEST SERIES
100+ Mock Test
78 Sectional Test
40+ years PYPs
60+ Current affairs
TEST
Only
99
Per
Year
Buy Now

APNI PATHSHALA

UPPSC, RO/ARO, BPSC, UP TEST SERIES

UPPSC
(TEST SERIES)
- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

299/- YEAR

RO/ARO
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

BPSC
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299 YEAR

SSC (TEST SERIES)
- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

RPF (TEST SERIES)
- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

Download | Application
Apni Pathshala
7878158882

Apni.Pathshala | Avasthiankit
AnkitAvasthiSir | kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

CALL CENTRE

HOW MAY I HELP YOU

7878158882

AnkitInspiresIndia

Download "Apni Pathshsla" app now!

Follow us: